राजस्थान की वेश भूषा

→ भारत का मैनचेस्टर → अहमदाबाद (गुजरात)
→ राज० का मैनचेस्टर → भीलवाड़ा
→ राज० का नवीनतम मैनचेस्टर → भीवाड़ी (भलवा) खैरथल-तिजारा

→ राज० की राज्य पोशाक :— जोधपुरी कोट

→ राज० में सर्वाधिक वस्त्र मीले भीलवाड़ा जिले में स्थित है।
→ राज० में सर्वाधिक रंगाई - छपाई का कार्य जयपुर जिले में होता है।

→ आदिवासी महिलाओं का सबसे प्राचीनतम वस्त्र → नांदणा
→ विश्व की सबसे बड़ी पगड़ी → बागोर की हवेली (उदयपुर)
→ ~~विश्व की सबसे बड~~
→ ↓ जयपुर के महाराजा ईश्वरीय सिंह
→

→ विश्व के सबसे बड़े चाँदी के पात्र → सिटी पैलेस / चन्द्रमहल (जयपुर)
↳ निर्माता → माधोसिंह II

पुरुषों के वस्त्र

डिस्की / मिस्की

→ पगड़ी / साफा / फेटा / फाग / पोत्या :—

↳ प्रतीक — "मान-सम्मान"

	पगड़ी	अवसर
①	लहरिया पगड़ी	रक्षाबंधन
②	मोठड़ा पगड़ी	विवाह के अवसर
③	मदील / मदील पगड़ी	दशहरा / मेला
④	पंचरंगी साफा पगड़ी	विवाह के अवसर पर
⑤	केसरिया पगडी	युद्ध के समय
⑥	पीले रंग की पगड़ी	बसंतपंचमी
⑦	सफेद रंग की पगड़ी	शोक के समय
⑧	फूल - पातियों की पगड़ी	होली के समय
⑨	आटेदार पगड़ी	सोनी परिवार (सुनार)
⑩	मोटे आटेदार पगड़ी	बंजारा जाति

→ अंगरखी / बगल बंदी / बूगतरी / गदर / मिरजाई / कुर्ती / डोढ़ी / डगला :—

* यह एक बीना कॉलर, बीना बटन का कुर्ता है। जिसे बंगल में बाना जाता है।

NOTE — घाड़ौती क्षेत्र में सफेद रंग की अंगरखी को बूगतरी कहा जाता है।

→ पटका वस्त्र :—

* पुरुषो द्वारा कमर पर बांधा जाने वाला वस्त्र जिसमे तलवार व कटार रखी जाती वह पटका वस्त्र कहलाता है।

→ **ब्रिजस / ब्रिजेस :—**

→ ब्रिजस एक चुड़ीदार पायेजामा है। इसे शेरवानी कोट के साथ पहना जाता है।

→ **पछेवड़ा वस्त्र :—**

→ यह एक मोटा चादर जिसे पुरुषो द्वारा कंधे पर डाला जाता है।

→ **ढेपाड़ा / ढेपाड़ा :—**

→ भील पुरुषो की तंग धोती ।

→ **खोयतु वस्त्र :—**

→ भील पुरुषो की सामान्य धोती ।

→ **फालू वस्त्र :—**

→ भील पुरुषो द्वारा कमर पर बाधा जाने वाला वस्त्र ।

→ **अंगोछा / अगुंछा वस्त्र :—**

→ भील पुरुषो द्वारा गले पर जाने वाला वस्त्र ।

→ **आतमसुख / तनसुख :—**

→ सर्दी के मौसम में पुरुषो द्वारा पहने जाने

वाला ढीला-ढाला वस्त्र ।

→ **घुघी वस्त्र :-**

→ बरसात के मौसम में पहना जाने वाला वस्त्र। छोटे बच्चों का

→ **कौपीन वस्त्र :-**

→ साधु - सन्यासीयों की वेश-भूषा ।

→ **सलूका / झलका वस्त्र :-**

→ सहरिया जनजाति के पुरुषों के द्वारा पहने जाने वाली कमीज ।

→ **महिलाओं के वस्त्र :-**

→ कंचुकी / आजी / कापड़ी / कुर्ती - काँचली / ब्लाउज / कुब्जा

→ **पोमचा वस्त्र** — (जयपुर)

→ के प्रकार (2) →
- पीला पोमचा — पुत्र के जन्म पर
- गुलाबी पोमचा — पुत्री के जन्म पर

↓ प्रसूति — पीहर → वस्त्र

★ विशेष – प्रसूति वस्त्र महिला के लिए पियर पक्ष से लाया जाने वाला वस्त्र पीमचा

→ **लहरिया वस्त्र :—** (जयपुर)

★ हरियाली अमावस्या के दिन सुहागन महिलाओ के द्वारा ओढा जाने वाला वस्त्र लहरिया कहलाता है।

→ **चीड़ का पीमचा :—** (हाड़ौती)

★ विधवा महिलाओ के द्वारा हरियाली अमावस्या के दिन काले रंग का वस्त्र ओढा जाता है।

Note :—
1. आदिवासियो का पीमचा → सवाईमाधोपुर
2. गरासिया जनजाति —॥— → सोजत (पाली) → प्र॰ मेहन्दी
3. कंजर जनजाति —॥— → चौथ का बरवाड़ा (सवाईमाधोपुर)
4. सहरिया जनजाति —॥— → प्र॰ हाड़ौती क्षेत्र
5. डामोर जनजाति —॥— → डूंगरपुर
6. सांसी / साहरिया —॥— → भरतपुर

→ **कछाबू वस्त्र :—**

★ (भील) आदिवासि महिला का घुटनो तक का घाघरा कछाबू कहलाता है।

→ **फड़का वस्त्र :—**

★ कथोडी जनजाति की महिलाओ के द्वारा मराठी अदाज मे पहनी जाने वाली साड़ी फड़का कहलाती है।

→ **खूसनी वस्त्र :—**

★ कुंजर जनजाति की कुँवारी कन्यामो के द्वारा चक्री नृत्य के दौरान पहना जाने वाला वस्त्र खूसनी वस्त्र कहलाता है।

→ **पँवरी / पीरिया / रेंजा वस्त्र :—**

★ **पँवरी वस्त्र :—**

★ सामान्य पुल्हन की वेश-भूषा

→ **पीरिया वस्त्र**

★ भील जनजाति की पुल्हन के द्वारा

→ **रेंजा वस्त्र :—**

★ सहरिया जनजाति की पुल्हन के द्वारा

→ **कटकी वस्त्र :—** साबली / चुन्नी / दुपट्टा / स्कार्फ / स्टोल

★ (भील) आदिवासि जनजाति अविवाहित कन्यामो की ओढ़नी

→ तारा भात की ओढ़नी
→ केरी भात की ओढ़नी
→ ज्वार भात की ओढ़नी

आदिवासी (भील) ज० की महिलाओ की ओढ़नी के प्रकार

→ दामणी वस्त्र
→ मोठड़ा वस्त्र] मेवाड़ मारवाड़ में प्रचलित ओढ़नी के प्रकार

→ लुगड़ा वस्त्र :-

↳ खण्डेला – सीकर
भीनाय – अजमेर (केकड़ी)
बमावर

गोटे के प्रकार :-

→ लप्पा, लप्पी, मुकेश, किरण, चम्पाकली, कसीदा, विजिया

→ चुन्दड़ी वस्त्र :-

विवाह के अवसर पर पिअर पक्ष से लाया गया वस्त्र

→ कुँवर जोड़ → लड़के
→ बाला चुन्दड़ → विवाह
→ लड़का